Printed Pages : 7 Roll No.....

L/Sem IV/99

LL.B. (Hons.) (Semester IV) Examination, 2014-15

Law

Paper : LBH-224

Alternate Dispute Resolution

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान है।

1. Discuss whether following are valid arbitration agreement :

विवेचना कीजिए कि क्या निम्नलिखित माध्यस्थम करार विधिक है :

(a) A stipulation in a will by the testator that "if there was any dispute in regard to the will, the same should be referred to Mr.X as sole arbitrator whose decision shall be final and binding on the parties."

P.T.O.

एक वसीयत में वसीयतकर्ता का कथन,''यदि वसीयत के सम्बंध में कोई विवाद होता है तो वह एक मात्र माध्यस्थ के रूप में 'X' को सन्दर्भित किया जायेगा जिसका निर्णय अंतिम एवं पक्षकारों पर बाध्यकारी होगा।''

(b) A clause in the Memorandum of Understanding which states "Implementation will be done in consultation with the financial institutions. For all disputes, clarifications etc, in respect of implementation of this agreement, the same shall be referred to the chairman, IFCI or his nominees whose decisions will be final and binding on both the groups."

समझौता पत्र का एक खण्ड जिसमें कहा गया, ''वित्तीय संस्थाओं की सलाह से कार्यान्वयन किया जायेगा। इस करार के सम्बन्ध में सभी विवादों, स्पष्टीकरणों आदि के लिए उन्हें IFCI के अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति को सन्दर्भित किया जायेगा जिसका निर्णय अंतिम एवं दोनों पक्षकारों पर बाध्यकारी होगा।''

(b) Form and content of an arbitral award
एक माध्यस्थम पंचाट का प्रारूप एवं अन्तर्वस्तु

(c) Court assistance in taking evidence
साक्ष्य प्राप्त करने में न्यायालय की सहायता

(d) Negotiation as a mechanism of dispute settlement.
विवाद निस्तारण की पद्धति के रूप में 'वार्तालाप'

6. Discuss the following :

निम्नलिखित की विवेचना कीजिए :

(a) Foreign Award

विदेशी पंचाट

(b) Proper law of arbitration agreement and proper curial law.

माध्यस्थम करार की उचित विधि एवं उचित प्रक्रियात्मक विधि।

7. Define conciliation. What are the roles of a conciliator ? Also discuss the provisions of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 dealing with settlement agreement.

'सुलह' को परिभाषित कीजिए। सुलहकर्ता की क्या भूमिका है ? माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के सुलह-करार सम्बंधित प्रावधानों की भी चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(a) Settlement award

समझौता पंचाट

2. "The parties to agreement are family members who had disputes in respect of the family business and properties. They agreed to resolve their disputes by arbitration with Mr.'X' and Mr. 'Y' as arbitrators". Discuss the validity of the award passed in the above case. Give reasons in support of your answer.

''करार के पक्षकार जो पारिवारिक सदस्य हैं, के मध्य पारिवारिक व्यापार एवं सम्पत्ति के सम्बन्ध में विवाद थे। वे 'X' एवं 'Y' (माध्यस्थों के रूप में) द्वारा अपने विवाद का निस्तारण माध्यस्थम की रीति से कराने को सहमत हुए''। उपर्युक्त मामले में दिये गये पंचाट की वैधानिकता की चर्चा कीजिए। अपने उत्तर के समर्थन में कारणों का उल्लेख कीजिए।

3. Explain the following :

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(a) Grounds and procedure to challenge an arbitrator.

एक माध्यस्थ को चुनौती देने के आधार एवं प्रक्रिया

(b) "Doctrine of "competence-competence" is a rule of chronological priority.

''काम्पिटेन्स-काम्पिटेन्स'' (सक्षमता) का सिद्धांत क्रमानुसार प्राथमिकता का नियम है।

4. BCPL is a leading company for supplying different kinds of chemicals for metal industries. The company entered into a contract with a swiss firms for selling a new and unique chemical that BCPL's team has been in the process of developing. According to the contract BCPL is to supply a specified quantity of chemical within a period of 3 months, failing which BCPL agreed to pay a liquidated damage of Rs'X'. Later on BCPL shows its inability to supply the chemical in 3 months and fails to meet its contractual obligation to words the Swiss firm. The Swiss firm invoked the arbitration clause and claimed the damages form BCPL. An award stating that BCPL is not obliged to pay damages as no loss occured to Swiss firm because of the breach was passed. Discuss whether the aword can be set aside on any grounds ?

BCPL धातु उद्योग के लिए रसायन की आपूर्ति करने वाली एक प्रतिष्ठित कम्पनी है। कम्पनी ने एक स्विस फर्म के साथ एक विशिष्ट रसायन जिसको विकसित करने की प्रक्रिया में BCPL टीम कार्यरत थी का विक्रय करने की

संविदा की। संविदा के अनुसार BCPL को रसायन की एक निश्चित मात्रा की आपूर्ति 3 माह में करनी थी, जिसमें असफल रहने पर BCPL 'X' रू० की परिनिश्चित नुकसानी का परिदाय करने को सहमत हुयी। तत्पश्चात BCPL ने 3 माह में रसायन की आपूर्ति करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और स्विस फर्म के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करने में असफल रही। स्विस फर्म ने माध्यस्थम खण्ड का उपयोग करते हुए BCPL से नुकसानी की माँग की। एक पंचाट जिसमें कहा गया कि BCPL नुकसानी की अदायगी करने के लिए दायित्वाधीन नहीं है क्योंकि संविदा भंग के कारण स्विस फर्म को कोई नुकसान नहीं हुआ, दिया गया। विवेचन कीजिए कि क्या यह पंचाट किसी भी आधार पर निरस्त किया जा सकता है ?

5. Discuss the applicability of part I of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 to arbitrations done outside India. How far do you think that section 9 of the Act should be made applicable to such arbitrations ? Give answer with reasons.

भारत से बाहर होने वाले माध्यस्थमों में माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के भाग- I के अनुप्रयोगों की विवेचना कीजिए। क्या आपके विचार से धारा 9 इन प्रकार के माध्यस्थमों के सन्दर्भ में लागू की जानी चाहिए ? कारण सहित उत्तर दीजिये।